हिन्दी कक्षा 6

पाठ 11

जो देखकर भी नहीं देख सकते

7. वाक्य बनाकर अर्थ स्पष्ट कीजिए।

अवधि– राम के वनवास की अवधि चौदह वर्ष की थी

अवधी– तुलसीदास ने **अवधी** भाषा में लिखा है।

ओर– यहां पर दोनों **ओर** सड़कें हैं

और– मैं मोमोज **और** बर्गर खाऊंगी

में– अनू के कमरे में बैग है

मैं– **मैं** तुम्हें जानती हूं।

दिन– वह **दा** दिन बाद आएगा।

दीन– हमें **दीन** दुखियों की मदद करनी चाहिए।

मेल– तुम्हारा उनसे कोई **मेल** नहीं है।

मैल– कपड़े मैं बहुत **मैल** है।

सिल– **सिल** पर मसाला आदि पीसा जाता है।

शील– उस मकान को **शील** कर दिया गया।

पाठ 12 (लेखक जवाहरलाल नेहरू)

संसार पुस्तक है

प्रश्न1 – लेखक ने 'प्रकृति के अक्षर' किन्हे कहा है

उत्तर – लेखक ने 'प्रकृति के अक्षर' प्रकृति में मौजूद विभिन्न चीजों को कहा ह। लेकिन उन अक्षरों को तभी समझा जा सकता है जब हम उन चीजो के बारे में सोचें और उन्हें करीब से समझने की कोशिश करें।

प्रश्न2 – लाखों करोड़ों वर्ष पहले हमारी धरती कैसी थी?

उत्तर – लाखों करोड़ों वर्ष पहले हमारी धरती पर जीवन नहीं था तब यह धरती बहुत गर्म थी इस पर कोई जानदार चीज नहीं रह सकती थी।

प्रश्न3 – दुनिया का पुराना हाल किन चोजों से जाना जाता है कुछ चीजों के नाम लिखो?

उत्तर – पुराने जमाने का हाल पहाड़ों समुद्रों सितारों नदियों जंगल और जानवरों की पुरानी हड्डियों से मालूम होता है तब किताबें नहीं लिखी जाती थी इसलिए हमें पुराने जमाने का कोई लिखित प्रमाण नहीं मिलता है।

प्रश्न4 – गोल चमकीला रोड़ा अपनी क्या कहानी बताता है?

उत्तर – गोल चमकीला रोड़ा बताता है कि मैं पहले चट्टान के नुकीला खुरदरा टुकड़ा था बारिश के पानो में बहकर में छोटी घाटी आया। पानी के साथ निरंतर ढकेल जाने के कारण मेरे कोन घिसकर गोल और चमकदार बन गए।

प्रश्न5 – गोल चमकीले रोड़े को यदि दरिया और आगे ले जाता तो क्या होता?

उत्तर – गोल चमकीले रोड़े को यदि दरिया और आगे ले जाता तो वह चिकना और अधिक चमकदार हो जाता अगर दरिया उसे और आगे ले जाता।

6. **<u>वाक्य बनाओ</u>** –

(क)<u>सरकना</u> – तूफान आने पर चट्टाने धीरे–धीरे सरकना शुरू हो जाती हैं।

(ख)<u>ढकेलना</u> – किसी को ढकेलना नहीं चाहिए।

(ग)<u>गिरना</u> – हवा शुरू होते ही पत्तों का गिरना शुरू हो गया।

(घ)<u>खिसकना</u> – उसने धीरे–धीरे खिसकना शुरू कर दिया।